जुलाई 2016

वर्ष 28 द्वादश अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

9 सृजनशीलता

विशेष स्तम्भ

11 समसामयिक सामान्य ज्ञान
14 आर्थिक परिदृश्य
19 राष्ट्रीय परिदृश्य
25 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
29 क्रीड़ा जगत्
31 सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल-IX की विजेता
32 अनुशासनप्रिय व सम्मानजनक कैरियर : राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा, 2016 (II) हेतु विशेष
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 विज्ञान समाचार
38 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं
41 सारभूत तत्व कोष

लेख

45 स्वास्थ्य लेख—भारत में स्वास्थ्य नीतियाँ तथा विकास के क्षेत्र में बढ़ते कदम
47 अन्तरिक्ष लेख—जीपीएस 'नाविक' : स्वदेशी नैविगेशन सिस्टम
48 वैज्ञानिक लेख—परमाणु पनडुब्बी से परमाणु प्रक्षेपास्त्र दागने में सफलता
49 समसामयिक लेख—साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते हाथ : रोकथाम के उपाय

हल प्रश्न-पत्र

51 रेलवे रिक्रूटमेण्ट बोर्ड (गैर-तकनीकी श्रेणी) परीक्षा, 2016
60 आगामी मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
66 आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया प्रोबेशनरी ऑफीसर्स (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
74 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2015-16
98 झारखण्ड डाक विभाग पोस्टमैन/मेलगार्ड परीक्षा, 2016
104 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा, 2016
113 आगामी स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सामान्य जानकारी

122 (i) संचार, दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सतत् वृद्धि हेतु नए संस्तर-पर्यवलोकन
124 (ii) वस्त्र उद्योग क्षेत्र में कपास, जूट, रेशम एवं ऊन उत्पादन की भूमिका-एक सिंहावलोकन
127 क्या आप परिचित हैं ?
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

सृजनशीलता

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

सृजनशीलता किसी को पीछे छोड़ने की दौड़ नहीं, वरन् कुछ नया कर दिखाने की प्रेरणा है.

नव सृजन की साध लेकर,
हम उठे निर्माण करने
ध्वंसगामी विश्व का हम
फिर उठे परित्राण करने
पूत श्रद्धा हो हृदय में
तो असंभव काम कैसा ?
बुद्धि के इन रोगियों का रोग से
परित्राण कैसा ?
काम देगा धाम अपना
हम उठे इतिहास रचने ।।

इस सम्पूर्ण विश्व में मौजूद अनगिनत इंसानों को हम यहाँ दो भागों में विभक्त करके देखते हैं–

एक है सृजनशील
दूसरा है संदेहशील।

सृजनशील (Creative) लोग वे होते हैं जो हर प्राप्त साधनों, उपलब्ध सुविधाओं में व मिले हुए वातावरण में कुछ-न-कुछ रचनात्मक अभिनव प्रयोग करते रहते हैं. ये लोग हृदय केन्द्र से अधिक जीते हैं, इसीलिए इनकी बौद्धिक क्षमता व प्रतिभा मानवीयता से भरपूर होती है. मानव प्रेम का झरना इनमें से स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होता रहता है. यही कारण है इनके हर छोटे-मोटे कार्यों में रचनात्मकता होती है, जीवन्तता होती है. ऐसे लोग अगर बर्तन मांजने जैसा लघु कार्य भी करते हैं जो वह भी इतनी सुंदरता से, कि मांजे बर्तनों को जमाने में भी नई अभिव्यक्ति रहती है. सब्जी के छिलको को उतारने में भी कलात्मकता नजर आती है, खाने के व्यंजन बनाने में भी नूतनता रहती है, लोगों से व्यवहार निभाने में भी संजीदगी रहती है, ऐसी रचनात्मक प्रतिभा अनेकशः रूपों में अभिव्यक्ति पाई जाती है और इनसे जुड़े लोग स्वयं को कभी ऊबते (Bore) नहीं, न ही सृजनशील लोग कभी ऊबाऊपन महसूस करते हैं. इनकी प्रतिभा नया उल्लास नई उमंग से हर दिन को खूबसूरती से जीना जानती है. ये लोग कभी किसी को पछाड़ने के उद्देश्य से कुछ नया करने का मनोभाव नहीं रखते, न ही किसी कौतुक या प्रदर्शन की लालसा से कुछ नया करना चाहते हैं, बल्कि सृजनशील प्रतिभा के धनी आंतरिक प्रेम प्रेरणा से ही प्रेरित होकर प्रतिपल कुछ-न-कुछ करने में, नव सृजन में आनंद पाते हैं. हाँ, अगर इन्हें सही मार्गदर्शन व उत्प्रेरक माहौल मिले, तब तो कहना ही क्या ? सोने में सुहागा की भाँति ऐसे सृजनशील इंसान कला, विज्ञान, साहित्य, शृंगार, वास्तुशिल्प में नया इतिहास रचते जाते हैं. सृजनशील इंसान के कार्य करने की शैली ही इतनी कलात्मक व रुचिकर होती है कि उनका आनंद उसी में खिलता जाता है. वे प्रायः पुरस्कार के लालची नहीं होते बस उन्हें यथोचित् सम्मान मिले, तो वे आभारी होते हैं, न मिले तो भी परेशान नहीं होते.

●●●